ये अव्यक्त इशारे

अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

6-09-2025

योग में जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, एक ही संकल्प रहता ''बाप और मैं'' इसी को ही पावरफुल योग कहते हैं। बाप के मिलन की अनुभूति के सिवाए और सब संकल्प समा जायें तब कहेंगे ज्वाला रूप की याद, जिससे परिवर्तन होता है।

Now ignite the fire of love and make your yoga volcanic.

Your yoga can be powerful when all other thoughts have become quiet and there is just the one thought of "Baba and I". All thoughts, apart from the experience of meeting the Father, should vanish. Only then could you say that your remembrance is as powerful as fire through which transformation can take place.